NEWS CLIPPING: 02.01.2020

HINDUSTAN

अनुसंधान के विशेष क्षेत्रों की पहचान की जाएगी

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

फैसला

- अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान में फंडिंग पर वाईएमसीए में बैठक
- सौर ऊर्जा के क्षेत्र में बेहतर संभावनाओं पर भी की चर्चा

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए और ब्रुनल यूनिवर्सिटी के बीच सहयोग के माध्यम से सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास परियोजनाओं पर काम करने की संभावनाओं पर चर्चा के लिए बुधवार को बैठक का आयोजन किया गया।

इसमें ब्रुनल यूनिवर्सिटी लंदन के प्रतिनिधि डॉ. हरजीत सिंह संग बातचीत में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय ने अनुसंधान के ऐसे विशेष क्षेत्रों की पहचान करने का निर्णय लिया है, जहां विश्वविद्यालय अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय फंडिंग एजेंसियों से आसानी से अनुदान प्राप्त कर सकता है।

बैठक में सभी डीन, विभागाध्यक्ष, कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग और निदेशक, इंटरनेशनल अफेयर डॉ. शिल्पा सेठी भी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है।

फरीदाबाद स्थित जेसी बोस विश्वविद्यालय की सुविधाओं के बारे में डॉ. हरजीत सिंह ने जानकारी जुटाई। ● हिन्दुस्तान

NEWS CLIPPING: 02.01.2020

PUNJAB KESARI

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देगा जेसी बोस विश्वविद्यालय

- ब्रूनल यूनिवर्सिटी लंदन के साथ संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं पर चर्चा
- अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में कर रहा है काम

विश्वविद्यालय की सुविधाओं का अवलोकन करते हुए डॉ. हरजीत सिंह। *(छायाः एस शर्मा)*

फरीदाबाद, 1 जनवरी (महावीर गोयल): अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ रणनीतिक सहभागिता विकसित करने और अनुसंधान सहयोगों को स्थापित करने के लिए, जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद एक कार्य-योजना तैयार कर रहा है जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालय ने अनुसंधान के ऐसे विशेष क्षेत्रों की पहचान करने का निर्णय लिया है, जहां विश्वविद्यालय अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय फंडिंग एजेंसियों से आसानी से अनुदान प्राप्त कर सकता है। यह जानकारी आज यहां इंटरनेशनल अफेयर सेल द्वारा कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की अध्यक्षता में ब्रूनल यूनिवर्सिटी लंदन के प्रतिनिधि डॉ. हरजीत सिंह के साथ आयोजित बैठक में दी गई। इस बैठक का उद्देश्य जे.सी. बोस यूनिवर्सिटी और ब्रूनल यूनिवर्सिटी के बीच सहयोग के माध्यम से सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास परियोजनाओं पर काम करने के संभावनाओं पर चर्चा करना था। बैठक में सभी डीन, विभागाध्यक्ष, कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग और निदेशक, इंटरनेशनल अफेयर डॉ. शिल्पा सेठी भी उपस्थित थी। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है ताकि शिक्षण, अध्ययन और अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा सके। अंतर्राष्ट्रीय सहभागिता के माध्यम से, विश्वविद्यालय की योजना संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए एक्सचेंज प्रोग्राम के माध्यम से अनुसंधान परियोजनाओं पर मिलकर काम करते हुए अनुसंधान को बढ़ावा देने की है। सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकी, वैक्यूम इन्सुलेशन पैनल और बेहतर ऊर्जा दक्षता के लिए रेट्रोफिट्स बनाने के क्षेत्र में अनुसंधान विशेषज्ञता रखने वाले डॉ. हरजीत सिंह ने कुलपति के साथ अपने अनुभव साझे किये। इस समय डॉ. हरजीत सिंह विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के माध्यम से 16 मिलियन पाउंड से अधिक की अनुसंधान निधि पर कार्य कर रहे है। डॉ. हरजीत सिंह ने बैठक में बताया कि भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और यूरोपीय आयोग (ईसी) के बीच समझौते के अंतर्गत भारत और यूरोपीय संघ के विश्वविद्यालयों के बीच परस्पर अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और परिनियोजन परियोजना प्रस्तावों की संयुक्त रूप से फंडिंग की जाती है। उन्होंने विश्वविद्यालय से अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से अनुसंधान निधि प्राप्त करने के अवसरों का लाभ उठाने के लिए डीएसटी के माध्यम से अपने प्रस्ताव भेजने का सुझाव दिया और ऐसे प्रस्तावों, जहां जे.सी. यूनिवर्सिटी और ब्रूनल यूनिवर्सिटी एक साथ काम कर सकते हैं, के लिए अपना तकनीकी मार्गदर्शन देने का आश्वासन दिया। इससे पहले, बैठक में इंटरनेशनल अफेयर सेल की समन्वयक डॉ. सपना तनेजा ने विश्वविद्यालय का संक्षिप्त परिचय दिया। इसके बाद विश्वविद्यालय की मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल प्रयोगशालाओं में विभिन्न अनुसंधान सुविधाओं के विषय में जानकारी दी गई। इसके उपरांत डॉ. हरजीत सिंह ने अपने शोध कार्य पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी और संयुक्त अनुसंधान और परियोजनाओं के क्षेत्रों में काम करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए विभिन्न विभागाध्यक्षों के साथ चर्चा को आगे बढ़ाया। इस अवसर पर, डॉ. हरजीत सिंह ने विश्वविद्यालय की विभिन्न सुविधाओं और प्रयोगशालाओं का भी दौरा किया।

पंजाब केसरी ई-पेपर Thu, 02 January 2020
https://epaper.punjabkesari.in/c/47577903

NEWS CLIPPING: 02.01.2020

NAVBHARAT TIMES

सौर ऊर्जा परियोजनाओं पर चर्चा

■ **एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद :** जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी के इंटरनैशनल अफेयर सेल की तरफ से बुधवार को ब्रुनल यूनिवर्सिटी लंदन के साथ बैठक की। इसकी अध्यक्षता जेसी बोस यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने की। बैठक का उद्देश्य जेसी बोस यूनिवर्सिटी व ब्रुनल यूनिवर्सिटी के बीच सहयोग के माध्यम से सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अनुसंधान व विकास परियोजनाओं पर काम करने की संभावनाओं पर चर्चा करना था।

कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने कहा कि इंटरनैशनल यूनिवर्सिटी के साथ रणनीतिक सहभागिता विकसित करने व अनुसंधान सहयोगों को स्थापित करने के लिए जेसी बोस यूनिवर्सिटी एक कार्य योजना तैयार कर रहा है। इसके तहत यूनिवर्सिटी ने अनुसंधान के ऐसे विशेष क्षेत्रों की पहचान करने का निर्णय लिया है, जहां इंटरनैशनल फंडिंग एजेंसियों से आसानी से अनुदान प्राप्त हो। इस दौरान डॉ. हरजीत सिंह ने कुलपति के साथ अपने अनुभव साझे किए। इस मौके पर डॉ. सपना तनेजा, कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग, डॉ. शिल्पा सेठी समेत कई लोग मौजूद थे।

NEWS CLIPPING: 02.01.2020

AMAR UJALA

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देगा जेसी बोस विवि

AU-2-01-2020

फरीदाबाद। अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय (विवि) संग शोध को बढ़ावा देने के लिए जेसी बोस विवि कार्य-योजना तैयार कर रहा है। अनुसंधान में विशेष क्षेत्रों की पहचान करने का निर्णय लिया गया है। इसका उद्देश्य विवि अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय फंडिंग एजेंसियों से आसानी से अनुदान प्राप्त करना है।

इंटरनेशनल अफेयर सेल की ओर से ब्रुनल यूनिवर्सिटी लंदन के प्रतिनिधि डॉ. हरजीत सिंह के साथ आयोजित बैठक के दौरान कुलपति प्रो. दिनेश कुमारने बताया कि ब्रुनल यूनिवर्सिटी और जेसी बोस विवि के बीच सहयोग के जरिए सौर ऊर्जा क्षेत्र में अनुसंधान और विकास परियोजनाओं पर काम करने की संभावनाओं पर चर्चा की गई। बैठक में सभी डीन, विभागाध्यक्ष, कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग और निदेशक, इंटरनेशनल अफेयर डॉ. शिल्पा सेठी मौजूद रही। ब्यूरो

बैठक में मौजूद लोग।

NEWS CLIPPING: 02.01.2020

DAINIK BHASKAR

D.B. 2.01-2020

ब्रुनल यूनिवर्सिटी लंदन के साथ संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं पर हुई चर्चा

सौर ऊर्जा पर अनुसंधान करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देगी जेसी बोस विश्वविद्यालय

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ रणनीतिक सहभागिता विकसित करने और अनुसंधान सहयोगों को स्थापित करने के लिए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी एक कार्य योजना तैयार कर रही है। इसके तहत उसने अनुसंधान के ऐसे विशेष क्षेत्रों की पहचान करने का निर्णय लिया है, जहां यूनिवर्सिटी अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय फंडिंग एजेंसियों से आसानी से अनुदान प्राप्त कर सकती है। यह जानकारी बुधवार को यहां इंटरनेशनल अफेयर सेल की ओर से कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की अध्यक्षता में ब्रुनल यूनिवर्सिटी लंदन के प्रतिनिधि डॉ. हरजीत सिंह के साथ आयोजित बैठक में दी गई। इस बैठक का उद्देश्य जेसी बोस यूनिवर्सिटी और ब्रुनल यूनिवर्सिटी के बीच सहयोग के माध्यम से सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास परियोजनाओं पर काम करने की संभावनाओं पर चर्चा करना था। बैठक में सभी डीन, विभागाध्यक्ष, कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग और निदेशक, इंटरनेशनल अफेयर डा. शिल्पा सेठी मौजूद थीं।

फरीदाबाद। बैठक में प्रस्तुति देते हुए डा. हरजीत सिंह।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है ताकि शिक्षण, अध्ययन और अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा सके। अंतर्राष्ट्रीय सहभागिता के माध्यम से विश्वविद्यालय की योजना संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए ऐक्सचेंज प्रोग्राम के माध्यम से अनुसंधान परियोजनाओं पर मिलकर काम करते हुए अनुसंधान को बढ़ावा देने की है।

सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकी, वैक्यूम इंसुलेशन पैनल और बेहतर ऊर्जा दक्षता के लिए रेट्रो फिट्स बनाने के क्षेत्र में अनुसंधान विशेषज्ञता रखने वाले डॉ. हरजीत सिंह ने कुलपति के साथ अपने अनुभव साझा किए। इस समय डा. हरजीत सिंह विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के माध्यम से 16 मिलियन पाउंड से अधिक की अनुसंधान निधि पर कार्य कर रहे है। डॉ. हरजीत सिंह ने बताया कि भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और यूरोपीय आयोग (ईसी) के बीच समझौते के तहत भारत और यूरोपीय संघ के विश्वविद्यालयों के बीच परस्पर अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और परिनियोजन परियोजना प्रस्तावों की संयुक्त रूप से फंडिंग की जाती है। उन्होंने विश्वविद्यालय से अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से अनुसंधान निधि प्राप्त करने के अवसरों का लाभ उठाने के लिए डीएसटी के माध्यम से अपने प्रस्ताव भेजने का सुझाव दिया।